ससुराल में चुदाई की कामुक दास्ताँ- 4

“Xxx टॉक सेक्स कहानी में मैं अपनी अनन्त वासना के चलते अपने ससुर से चुद चुकी थी. मेरे पापा और ससुर बचपन के दोस्त हैं. तो मेरे ससुर ने मेरे पापा के बारे में क्या बताया मुझे ? …”

Story By: गरिमा सेक्सी (garimaasexy)
Posted: Wednesday, February 5th, 2025
Categories: फोन सेक्स चैट
Online version: ससुराल में चुदाई की कामुक दास्ताँ- 4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ससुराल में चुदाई की कामुक दास्ताँ- 4

Xxx टॉक सेक्स कहानी में मैं अपनी अनन्त वासना के चलते अपने ससुर से चुद चुकी थी. मेरे पापा और ससुर बचपन के दोस्त हैं. तो मेरे ससुर ने मेरे पापा के बारे में क्या बताया मुझे ?

कहानी के तीसरे भाग
ससुर जी को दिखाई उनकी बेटी की कुंवारी चूत
में आपने पढ़ा कि मैंने अपने ससुर के दिल में उनकी बेटी की चूत के लिए लालसा लगा दी थी. उनको उनकी बेटी की नंगी चूत के दर्शन भी करवा दिए थे.

यह कहानी सुनें.

xxx-talk-sex-kahani

अब आगे Xxx टॉक सेक्स कहानी :

मैं अपनी चूत सहलाना छोड़ ससुर जी के बगल उनसे सट कर खड़ी हो गयी।
ससुर जी अभी भी लुंगी के ऊपर से ही अपना लण्ड सहला रहे थे।

मैंने उनका हाथ पकड़ कर लण्ड से हटाया और उनके लुंगी को पकड़कर अगल बगल कर दिया जिससे तना हुए लण्ड झटके से बाहर दिखने लगा।
मेरी इस हरकत पर ससुर जी थोड़ा हड़बड़ा गये।

वे वापस लण्ड को लुंगी से ढकने लगे तो मैंने उनका हाथ पकड़ते हुए ऊपर उनकी तरफ देखकर रुकने का इशारा किया।

ससुर जी रुक गये और फिर पायल की चूत को देखने लगे। मैंने खड़े-खड़े उनके लण्ड को हाथ से पकड़ कर आगे पीछे कर हल्का-हल्का मुठ मारती हुई सहलाने लगी। ससुर जी की आंखें वासना में लाल हो रही थीं। ससुर जी के आश्चर्य की सीमा नहीं थी। कहां अभी तक जिसके सपने देख रहे थे उसी बेटी की नंगी चूत उनके आंखों के सामने थी।

पहले तो ससुर जी थोड़ा घबरा रहे थे लेकिन वासना का भूत उनके ऊपर भी इस कदर सवार हो गया था कि उनके मन का डर भी निकल गया।
एक-दो मिनट तक इसी तरह लण्ड हिलाने के बाद ससुर जी के सामने नीचे घुटनों के बल बैठ गयी और लण्ड की चमड़ी को पूरा पीछे खींचा और सुपाड़े को मुंह में लेकर चूसने लगी।

अब वे पायल की चूत देखते हुए आराम से मेर सिर पर हाथ रखकर अपनी कमर को हिलाकर लण्ड चुसवाने लगे।

कामुक माहौल में ससुर जी को भी कामोत्तेजना बर्दाश्त के बाहर होने लगी थी।

अभी लण्ड चूसते हुए तीन-चार मिनट ही हुए होंगे कि अचानक उन्होंने दोनों हाथों से मेरे सिर को पकड़ लिया और तेजी से कमर हिलाने लगे।
मैं समझ गयी कि वे झड़ने वाले हैं; मैं भी तेजी से लण्ड को हाथ से पकड़ मुंह को आगे पीछे करती हुई चूसने लगी।

तभी अचानक ससुर जी कमर को तेज झटका देते हुए मेरे मुंह में सारा पानी निकालने लगे।
मैं लण्ड को बिना मुंह से निकाले उनका गाढ़ा वीर्य गटकने लगी।

वीर्य गटकते हुए मैंने ससुर जी के मुंह की तरफ देख रही थी।

मुंह से आवाज ना निकले इसलिए ससुर जी ने कसकर अपने होठों को दांतों से भींच लिया था।
मुझे लग रहा था कि जब पहली बार मैंने ससुर जी के साथ चुदाई की थी शायद उस दिन उनके लण्ड से इतना वीर्य निकला था।

वीर्य की जमीन पर ना गिरे इसलिए मैं कुछ देर उसी तरह लण्ड को मुंह में लिए चूसती रही।
पूरा वीर्य निगलने के बाद लण्ड भी हल्का सा ढीला हुआ तब मैंने मुंह से निकाला और उनकी लुंगी से ही लण्ड को भी साफ किया और अपने मुंह को भी।

फिर मैं सीधी खड़ी हो गयी।
मैंने मुस्कुराते हुए ससुर जी की तरफ देखा तो उनकी आंखें अभी भी लाल थीं।

फिर मैंने उन्हें धीरे से बाहर जाने का इशारा किया।
जिसके बाद ससुर जी दबे पांव तेजी से कमरे से बाहर निकल गये फिर मैंने भी पायल की स्कर्ट को ठीक किया और कमरे से बाहर आ गयी।

ससुर जी के कमरे में पहुंची तो वे बेड पर पीठ के बल लेटे हुए थे।

शायद उन्हें अभी भी विश्वास नहीं हो रहा था कि वे अपनी बेटी की चूत देखते हुए बहू से लण्ड चुसवा कर आए हैं।
मुझे देखते ही हल्का सा मुस्कुराए।

मैं धीरे से मुस्कुराते हुए पूछ बैठी- तो कैसा लगा मेरा सरप्राइज ?
ससुर जी उठकर बैठ गये और मुस्कुराते हुए बोले- मुझे तो उम्मीद ही नहीं थी कि ऐसा सरप्राइज मिलेगा। सच कहूँ तो अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है।

मैं मुस्कुराती हुई बोली- चलिए एक तमन्ना तो पूरी हो गयी आपकी ! वैसे बस पायल की चूत देखने की ही तमन्ना थी या कुछ और भी करने का इरादा है उसके साथ ?

ससुर जी भी अब खुल चुके थे तो वे मुस्कुराते हुए बोले- बस बेटा एक बार चाटने को मिल जाए उसकी चूत … तो मज़ा आ जाए।
मैं हंसकर बोली- अच्छा तो मतलब काफी कुछ करने का इरादा है आपका पायल के साथ। उसकी चूत चाटने के बाद आप बोलेंगे कि अब चूत चोदने को भी मिल जाए तो मज़ा आ जाए।

ससुर जी मुस्कुराते हुए बोले- जवान बेटी की चूत चोदने का मौका अगर बाप को मिले तो कैसे छोड़ देगा वो ?
मैं हंसकर बोली- फिलहाल तो मुझे ही पायल समझिये और जो करना हो कर लीजिएगा।

ससुर जी मेरी इस बात पर हंस दिये और बोले- चलो जब तक पायल नहीं मिल रही तब तक तुम्हें ही पायल समझ कर चोदूंगा।

मैंने कहा- ठीक है लेकिन अब आपकी बारी है बताइये पापा के बारे में। सब सच बताइयेगा कुछ भी छिपाना नहीं है।
ससुर जी मुस्कुराने लगे और बोले- ठीक है कुछ नहीं छिपाऊंगा।

फिर ससुर जी मोबाइल उठाते हुए थोड़ा सस्पेंस के साथ मुस्कुराते हुए बोले- वैसे मेरे मुंह से सुनोगी या खुद अपने पापा के मुंह से ?
मैं आश्चर्य से बोली- क्या मतलब … समझी नहीं ? आप पापा को कॉल करने जा रहे हैं क्या ?

ससुर जी हंसकर बोले- अरे घबराओ नहीं … तेरे ठरकी बाप को कॉल नहीं करने जा रहा।

तुम्हें एक रिकॉर्डिंग सुनाना था।
मैं हैरानी से बोली- कैसी रिकॉर्डिंग ?
ससुर जी बोले- दरवाजा बंद कर दो ताकि आवाज बाहर ना जाए।

मैं दरवाजा बंद करते हुए वापस उनकी तरफ आती हुई बोली- अरे कौन है ही सुनने वाला ? पायल बेसुध सो रही है वह 8.30 या 9 बजे से पहले उठने वाली नहीं। वो भी मैं उठाऊंगी जाकर तब उठेगी वो !

ससुर जी मोबाइल में फाइल खोलने लगे।
मैंने पूछा- आप कॉल रिकॉर्ड करते हैं क्या हमेशा ?

ससुर जी मोबाइल में ही फोल्डर ढूंढते हुए बोले- ऑटोमेटिक रिकॉर्ड होता है कॉल जब ज्यादा हो जाता है तो सब डिलीट कर देता हूँ। लेकिन कुछ जो जरूरी होता है वे नहीं डिलीट करता। लो मिल गया। सुनो अब अपने बाप के मुंह से ही कि कितना शरीफ है वह !

यह कहकर ससुर जी ने रिकॉर्डिंग प्ले कर दिया।

पिछली कहानी में मैं आप सभी को बता चुकी हूँ कि पापा और ससुर जी दोनों बचपन के दोस्त हैं। एक साथ एक ही शहर में रहे और स्कूल से लेकर कॉलेज तक दोनों साथ ही पढ़े और फिर जॉब भी रेलवे में ही लगी दोनों की !

मैं पापा के मोबाइल में कॉल रिकॉर्डिंग सुनने लगी।
पहले तो मुझे लगा कि पापा और अंकल नॉर्मल बातें कर रहे हैं लेकिन जब उनकी बातें मैंने सुनीं तो मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि वे दोनों इस तरह आपस में बातें करते हैं।

आपको रिकॉर्डिंग की मेन बातें बता रही हूँ। जो कुछ देर की बातचीत के बाद शुरू हुई थी।

रिकॉर्डिंग में शुरू में कुछ देर हालचाल और इधर-उधर की बातचीत की बातचीत के बाद :

ससुर जी- वैसे तुझे ये बताने के लिए फोन किया था कि अब तेरे साथ ही काम करना है मेरा ट्रांसफर वहीं।
पापा (खुशी से)- अरे वाह … यार मजा आएगा फिर तो कब जॉइन कर रहा है।
ससुर जी- हो सकता है 10-15 दिन में जॉइन कर लूंगा।

पापा- चल यार बड़े दिनों बाद हम साथ बैठेंगे। फेमिली भी साथ लाएगा क्या ?
ससुर जी- नहीं यार, बच्चे यहीं रहेंगे बस मैं आऊंगा। बाकी सब कैसे हैं घर में तू बता … बच्चे तो बड़े हो गये होंगे तेरे। बेटी भी जवान हो गयी होगी … क्या नाम है उसका ?

पापा- हाँ … 20 साल की हो गयी है। गरिमा नाम है। और बेटा सोनू 18 साल का !
ससुर जी- उफ्फ यार … फिर तो मस्त माल हो गयी होगी तेरी बेटी चोदने लायक !
पापा हंसते हुए- बेटी तो तेरी भी जवान हो गयी होगी … उसे ही चोद ले ना ?
ससुर जी- हां यार, 18 साल की हो गयी है वह भी … पायल नाम है।

पापा- फोटो भेज उसकी एक मैं भी देखूं कैसी है !
ससुर जी- रुक व्हाट्सअप कर रहा हूँ।

फिर शायद ससुर जी ने पापा को पायल की फोटो भेजी।

फोटो देखकर पापा बोले- अबे ये तो बहुत सुंदर है और मस्त माल है भाई !
ससुर जी- तू भेज गरिमा की फोटो ! मैं भी देखूं कैसी माल है तेरी बेटी !

फिर पापा ने ससुर जी को अपनी मेरी फोटो भेजी।

ससुर जी- पूरी गदराई हुई माल है तेरी बेटी तो !

पापा- भोसड़ी के … नीयत खराब हो गयी क्या मेरी बेटी को देखकर ?
ससुर जी हंसते हुए- ईमानदारी से कहूँ तो सच में लण्ड टाइट हो गया था तुम्हारी बेटी को देखकर !

ससुर जी आगे बोलते हुए- याद कॉलेज में क्या कहते थे तुम ? कि शादी के बाद दो-तीन बेटी पैदा हो जाए ताकि बड़े होने पर उनकी भी चूत चोदने को मिल जाए तो मजा आ जाए। तो मिली या नहीं बेटी की चूत चोदने को ?
पापा हंसते हुए- सब याद है बे … लेकिन वे सब लड़कपन था।

ससुर जी- साले, हमें सब पता है, बाथरूम में मुठ मारता होगा तू अपनी बेटी की पैंटी सूंघकर !

पापा हंसते हुए- तू यही करता होगा तभी बोल रहा है। वैसे सच बता कभी ट्राई मारा है उस पर ? या कभी नंगी देखा है उसे ?
ससुर जी- अबे कोशिश तो की लेकिन साला कभी मौका ही नहीं मिल पाया। बेटा उससे बड़ा है तो डर रहता है कि कहीं उसे ना पता चले। इस चक्कर में नहीं हो पाया।

पापा- मतलब बस उसकी पैंटी सूंघकर और चूची और गांड को यादकर मुठ मारी है।
ससुर जी- हाँ यार … इससे ज्यादा मौका नहीं मिला। वैसे तू बोल भोसड़ी के तुझे कभी गरिमा की चूत या चूची देखने का मौका मिला या नहीं। या मेरी ही तरह मुठ मारता है अपनी बेटी के बारे में सोचकर ?

पापा झूठ बोलते हुए- हां यार, मैं भी उसी तरह काम चला रहा हूं।
फिर पापा बात बदलते हुए बोले- वैसे आजकल तुम्हारी भानजी नेहा कहाँ है ?

अभी आगे कुछ Xxx टॉक सुनती … इसके पहले ही ससुर जी ने प्लेयर ऑफ कर दिया।

मैं बोली- क्या हुआ बंद क्यों कर दिया। मुझे पूरा Xxx टॉक सेक्स सुनना है। नेहा कौन है ?
ससुर जी बोले- नहीं इसके आगे तुम्हारे काम का नहीं है कुछ ! तुम्हें बस पापा के बारे में जानना था, वो मैंने सुना दिया. अब आगे सुनकर क्या करोगी।

लेकिन मैं जिद पर अड़ गयी और बोली- नहीं ये गलत बात है पापा। मैंने पहले बोला था कि कुछ छिपाना नहीं है।
लेकिन ससुर जी नहीं मान रहे थे। बार-बार यही बोल रहे थे कि क्या करोगी आगे का सुनकर।

तब मैं मुस्कुराते हुए ससुर जी के सामने जाल फेंका और बोली- अगर आप मुझे आगे का पूरा सुनाते हैं तो आज रात मैं आपको इससे भी बड़ा सरप्राइज़ दूंगी। अब सोच लीजिए आपको क्या करना है।
ससुर जी मुस्कुराते हुए बोले- मतलब तुम सौदेबाजी कर रही हो ?
मैं बोली- जो आप समझ लीजिए। लेकिन ये आपके फायदे के लिए है। मजा आ जाएगा आपको !

ससुर जी कुछ सेकेण्ड चुप रहने के बाद मुस्कुराते हुए बोले- पहले बताओ कैसी सरप्राइज है तब सुनाऊंगा।
मैं हंसकर बोली- जब बता दूंगी तो सरप्राइज कहां रह जाएगा। आप बस रात का इंतज़ार करिए।

फिर कुछ देर ना-नुकर करने के बाद रात की सरप्राइज के चक्कर में ससुर जी मान गये और दोबारा रिकॉर्डिंग को प्ले किया।

Xxx टॉक सेक्स रिकॉर्डिंग :

पापा- हां यार, मैं भी उसी तरह काम चला रहा हूं।
फिर वे बात बदलते हुए बोले- वैसे आजकल तुम्हारी भानजी नेहा कहाँ है।
अंकल- अबे उसकी तो शादी हो गयी है और दो बच्चे भी हैं। फॉरेन सेटल हो गयी है अपने हसबैंड के साथ!

पापा हंसते हुए- सीधा बोल न कि उसकी गांड मारने को नहीं मिल रही उसकी तुझे!
अंकल- हा … हा … हा … हाँ यार सही बोल रहा है जब तक साथ में थी, साला लण्ड टाइट ही रहता था मेरा। उसकी गांड मारने के बाद ही शांत होता था लण्ड। वैसे मजे तो तूने भी बहुत लिए हैं उसके। वैसे तू बता शालू कैसी है? शादी तो हो चुकी है ना उसकी?

आपको बता दूं कि शालू मेरी बुआ का नाम है।
जिनकी स्टोरी भी मैंने बताई थी आपको कि कैसे मैंने पापा को शालू बुआ की चुदाई करते देखा था।
वह कहानी आप मैंने पापा को बुआ की चुदाई करते देखा यहां पढ़ सकते हैं।https://www.antarvasna3.com/voyeur/xxx-bhai-bahan-chod-ban-gaya/

पापा- हाँ … एक बेटी भी है 3 साल की है।
ससुर जी हंसते हुए- तेरी है या उसके पति की है? ऐसा तो नहीं कि उसका मामा और बाप दोनों तू ही है?
पापा तेजी से हंसते हुए- अबे पागल है क्या ?उसके पति की ही बेटी है वो!

ससुर जी- बहनचोद … क्या दिन थे वे जब एक ही कमरे में हम नेहा और शालू दोनों की चुदाई करते थे। साला यहाँ नेहा तो शादी करके बाहर चली गयी लेकिन तू शातिर निकला और शालू की शादी अपने शहर में करवा दी ताकि शादी के बाद भी मजे लेता रहे उसके साथ!
पापा हंसते हुए- हां … ये तो अपनी अपनी किस्मत है।

ससुर जी हंसते हुए- वैसे मेरी श्रीदेवी मोना का क्या हाल है ? उसी तरह मजे देती है या अब कुछ ठंडी हुई है।

मोना नाम सुनकर मैं चौंक गयी।
दरअसल मोना मेरी मम्मी का नाम है। वैसे तो मम्मी का नाम मोनिका है लेकिन घर में सभी उन्हें मोना के नाम से बुलाते हैं।

पापा हंसते हुए- इस उम्र में भी जो मजा देती है वे कम उम्र की लड़कियां भी नहीं दे सकतीं जल्दी !
ससुर जी हंसते हुए- ये बात तो सच है भाई … मुझे तो उसका लण्ड चूसना आज भी याद है। उसके जैसा लण्ड शायद ही किसी ने चूसा हो आज तक। वैसे पूछना कि घर आऊंगा तो फिर से चूसेगी या चुदवाएगी या नहीं।
पापा हंसते हुए- जब आना तो खुद ही पूछ लेना।

ससुर जी- वैसे एक बात बता शालू की शादी के बाद कभी पहले की तरह मोना और शालू दोनों को साथ में चोदा है या नहीं ?
पापा- नहीं यार, अब कहां हो पाता है। बच्चे बड़े हो गये हैं तो डर लगता है। शालू कभी घर आती है तो दिन में तो हिम्मत ही नहीं होती बस एक-दो बार देर रात चोरी से जाकर मैं अकेले ही कर लेता हूँ।

ससुर जी- तेरे तो मजे हैं यार ! यहां तो शुचि (मेरी सास का नाम) के बाद से तो बस मुठ मार कर काम चला रहा हूँ।

पापा मजा लेते हुए हंसकर- पॉर्न मूवी देखकर मुठ मारता है या अपनी बेटी को देखकर ?
ससुर जी हंसकर- दोनों कर लेता हूँ। तू बता सच-सच कभी तूने मोना को चोदते समय अपनी बेटी को इमैजिन कर चुदाई की है।

पापा थोड़ा अटकते हुए- हम्म … कभी-कभी किया है।

ससुर जी मजे लेते हुए हंसकर- साले कभी-कभी या हमेशा ? वैसे जैसे तू अपनी बहन को चोदता है तो कहीं गरिमा और सोनू भी आपस में ही ना मजे ले रहे हों आखिरकार तेरे ही खून हैं दोनों !
पापा हंसते हुए- तो क्या हुआ करने दो अच्छा ही है। वैसे ये तो तेरे बच्चे भी कर सकते हैं। वे भी तो तेरे ऊपर ही गये होंगे !

ससुर जी हंसकर- हो भी सकता है करते हों. जब हमने भी अपनी बहनों को चोदा है तो बच्चे भी भाई-बहन होकर भी आपस में चुदाई करते हैं तो क्या दिक्कत है उन्हें भी मजे करने दो।

तभी ससुर जी मोबाइल से हटकर किसी से बात करने लगे ; जैसे कोई आ गया हो.
फिर पापा से बोले- चल मैं बात करता हूं तुझसे कुछ काम आ गया है। यह कहने के बाद कॉल कट हो गयी।

रिकॉर्डिंग बंदकर ससुर जी मुस्कुराते हुए बोले- सुन लिया ना ?

इन लोगों की बातचीत सुनकर मेरा चेहरा आश्चर्य और कामुकता में लाल हो गया था। यह जानकर की ससुर जी और पापा दोनों साथ में मम्मी और बुआ को भी चोद चुके हैं मेरे आश्चर्य का ठिकाना नहीं था।
मेरी चूत भी गीली हो चुकी थी।

Xxx टॉक सेक्स कहानी अगले भाग में विराम लेगी.

कहानी पर आप अपनी राय मेल और कमेंट्स ने देते रहिएगा.
sexygarimaa@gmail.com

Xxx टॉक सेक्स कहानी का अगला भाग :

Other stories you may be interested in

शरीफ बेवा का बदचलन सफ़र

प्यासी औरत सेक्स मनी कहानी में एक औरत बेवा हो गयी. उसे लंड की जरूरत पड़ी तो वह बेचैन रहने लगी. उसकी सहेली को पता लगा तो उसने लंड का इंतजाम किया. साथ में पैसे भी ! यह कहानी सुनें. आदाब […]
Full Story >>>

ससुराल में चुदाई की कामुक दास्ताँ- 3

न्यूड पुसी सेक्स कहानी में मैं अपने ससुर जी को उनकी बेटी के साथ सेक्स के लिए तैयार कर रही थी, इसलिये बाप बेटी सेक्स की बातें करते हुए उन्हें उनकी बेटी की चूत भी दिखा दी. कहानी के दूसरे […]
Full Story >>>

देवरानी जेठानी ने पति की अदला बदली की

फॅमिली पोर्न स्वैप सेक्स कहानी में मैं अपने देवर से चुदती थी. उसकी शादी हुई तो मुझे लगा कि उसकी बीवी की चूत का मजा मैं अपने पति को दिलवाऊँ. मैंने खेल रचना शुरू कर दिया. यह कहानी सुनें. यह […]
Full Story >>>

ससुराल में चुदाई की कामुक दास्ताँ- 2

बैड Xxx हिंदी कहानी में मैंने अपने ससुर को अपनी चुदाई के लिए सेट कर लिया था. पर मैं चाहती थी कि मेरी ननद भी अपने पापा से चुद जाये ताकि उसकी मौजूदगी में भी ससुर बहू का खेल चलता […]
Full Story >>>

मेरी बेकाबू जवानी ने बुआ की बेटी को चोद दिया

Xxxn कज़िन सेक्स कहानी में मेरी बुआ, उनकी बेटी हमारे घर रहने आये. बुआ की बेटी से मेरी दोस्ती थी, हम साथ ही रहते थे. उसकी जवानी देखकर मेरी जवानी बेकाबू हुई जा रही थी. मैं राजू हूं और मैं […]
Full Story >>>